Raj Express (Indore), 10th July 2025, Page- 11

आयोजन

नासा सहित देश के प्रमुख आईआईटी हो रहे शामिल

शोधकर्ताओं को मंच प्रदान करते हैं इस तरह के आयोजन

तकनीकी नवाचार के फ्रंटियर का पता लगाने के लिए शिक्षाविदों, उद्योग और शोध संस्थानों के प्रमुख शोधकर्ताओं को दे रहे मंच

इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में आईट्रिपलई इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (आईसीसीसीएनटी) का 16 वां संस्करण चल रहा है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस सम्मेलन में नासा, आईआईटी इंदौर, आईआईटी दिल्ली और आईआईटी कांनपुर सहित प्रमुख संस्थानों और संगठनों के विशेषज्ञ प्रमुख योगदानकर्ताओं के रूप में शामिल हो रहे हैं। हाइब्रिड कार्यक्रम तकनीकी नवाचार के फ्रंटियर का पता लगाने के लिए दुनियाभर के शिक्षाविदों, उद्योग और शोध संस्थानों के प्रमुख शोधकर्ताओं को एक मंच प्रदान करता है। प्रोफेसर जोशी ने कहा, सम्मेलन का आयोजन करके हम खुश है, जिसमें मुख्य भाषण, तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुतियां, प्लेनरी सेशन और प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा संचालित पैनल चर्चाएं शामिल हैं। विषय एआइ, आईओटी, साइबर सुरक्षा, वायरलेस सिस्टम, 6जी और स्मार्ट कम्प्यूटिंग पर आधारित हैं, जो वर्तमान शोध और विकास की व्यापकता और गहराई को दर्शाते हैं। यह सत्र छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के लिए तैयार किए गए हैं जो उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता को ओर बेहतर बनाने के लिए उत्सुक हैं।

उद्योग प्रदर्शनी है प्रमुख आकर्षण

प्रोफेसर सूर्य प्रकाश (सम्मेलन अध्यक्ष, आईआईटी इंदौर) ने कहा, पैनल चर्चा में सस्टेनेबल स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डेटा-संचालित नवाचार की नैतिकता तक के वैश्विक समस्याओं पर चर्चा की जा रही है। साथ ही सैद्धांतिक अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच बेहतरीन सामंजस्य बनाया जाएगा। इस वर्ष के संस्करण का एक प्रमुख आकर्षण उद्योग प्रदर्शनी है, जो आईसीसीसीएनटी के इतिहास में पहली बार आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी में अग्रणी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठन परिवर्तनकारी उत्पादों, प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रोफेसर प्रकाश दुरईसामी (सम्मेलन सह-अध्यक्ष, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन, यूएसए) ने कहा शैक्षणिक दृढ़ता और उद्योग प्रासंगिकता का इसका अनूठा मिश्रण इसे आने वाले कल की प्रौद्योगिकियों को आकार देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनाता है।

सम्मेलन कई विषय-वस्तु के आधार पर खास उपलब्धि

- 10 हजार से अधिक शोधपत्र सबमिट किए गए, जिससे आईसीसीसीएनटी 2025 एशिया का सबसे बड़ा एसटीईएमई सम्मेलन बन गया।
- 99 देशों से सबमिशन, जो सम्मेलन के इतिहास में भाग लेने वाले देशों की।

सबसे अधिक संख्या है

- 9 प्रतिशत सबमिशन (करीब 900 शोधपत्र) अंतर्राष्ट्रीय योगदानकर्ताओं से प्राप्त हुए, जो इसकी बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है।
- पहली बार आयोजित उद्योग प्रदर्शनी, जो शैक्षणिक-उद्योग सहकार्य का एक नया आयाम प्रस्तुत करती है।